Series HRS

कोड नं. **3/1**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **16** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **17** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

संकलित परीक्षा – II

SUMMATIVE ASSESSMENT – II

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम अ)

(Course A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 90*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 90*

निर्देश :

*(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं – क, ख, ग और घ ।*

*(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

एक ज़माना था जब मुहल्लेदारी पारिवारिक आत्मीयता से भरी होती थी । सब मिल-जुलकर रहते थे । हारी-बीमारी, ख़ुशी-ग़म सब में लोग एक-दूसरे के साथ थे । किसी का किसी से कुछ छिपा नहीं था । आज के लोगों को शायद लगे कि लोगों की अपनी 'प्राइवेसी' क्या रही होगी, लेकिन इस 'प्राइवेसी' के नाम पर ही तो हम एक-दूसरे से कटते रहे और कटते-कटते ऐसे अलग हुए कि अकेले पड़ गए । पहले अलग चूल्हे-चौके हुए, फिर अलग मकान लेकर लोग रहने लगे, निजी स्वतंत्रता को अपनी नई परिभाषा देकर यह एकाकीपन हमने स्वयं अपनाया है । मुहल्ले में आपस में चाहे जितनी चखचख हो, यह थोड़े ही संभव था कि बाहर का कोई आ कर किसी को कड़वी बात कह जाए ! पूरा मोहल्ला टिड्डी-दल की तरह उमड़ पड़ता था ।

देखते-देखते ज़माना हवा हो गया । मुहल्लेदारी टूटने लगी, आबादी बढ़ी, महँगाई बढ़ी, पर सबसे ज़्यादा जो चीज़ दुर्लभ हो गई वह थी आपसी लगाव, अपनापन । लोगों की आँखों का शील मर गया ।

देखते-देखते कैसा रंग बदला है ! लोग अपने-आप में सिमट कर पैसे के पीछे भागे जा रहे हैं । सारे नाते-रिश्तों को उन्होंने ताक पर रख दिया है, तब फिर पड़ोसी से उन्हें क्या लेना-देना है । यह नीरस महानगरीय सभ्यता महानगरों से चलकर कस्बों और देहातों तक को अपनी चपेट में ले चुकी है । मकानों में रहने वाले एक-दूसरे को नहीं जानते । इन जगहों में आदमी का अस्तित्व समाप्त हो गया है । यदि आपको फ़्लैट नंबर मालूम नहीं है तो उसी बिल्डिंग में जा कर भी वांछित व्यक्ति को नहीं ढूँढ़ पाएँगे । ऐसी जगहों में किसी प्रकार के सम्बन्धों की अपेक्षा ही कहाँ की जा सकती है ?

(i) 'प्राइवेसी' से तात्पर्य है

(क) निजता

(ख) आत्मीयता

(ग) मेल-जोल

(घ) भाईचारा

(ii) मुहल्लेदारी के बारे में क्या सच नहीं है ?

(क) आपस में मिल-जुलकर रहना

(ख) दुख-सुख में साथ देना

(ग) अपनी बात किसी से गुप्त न रखना

(घ) आस-पड़ोस का हस्तक्षेप पसंद न करना

(iii) आज के व्यक्ति को 'प्राइवेसी' के नाम पर प्राप्त हुआ है

(क) अलगाव और अकेलापन

(ख) अपने में ही सीमित होने का आनंद

(ग) संयुक्त परिवार की समस्याओं से मुक्ति

(घ) मुहल्ले के झंझटों से छुटकारा

(iv) आज बहुत कठिनाई से प्राप्त होने वाली वस्तु है

(क) सम्बन्धों की महत्ता

(ख) धन-सम्पत्ति

(ग) आत्मीयता

(घ) वैचारिक स्वतंत्रता

(v) 'ताक पर रखना' का अर्थ है

(क) उपेक्षा करना

(ख) आशा रखना

(ग) छोड़ देना

(घ) निन्दा करना

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

गांधी जी ने दक्षिण अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों को मानव-मात्र की समानता और स्वतंत्रता के प्रति जागरूक बनाने का प्रयत्न किया । इसी के साथ उन्होंने भारतीयों के नैतिक पक्ष को जगाने और सुसंस्कृत बनाने के प्रयत्न भी किए । गांधी जी ने ऐसा क्यों किया ? इसलिए कि वे मानव-मानव के बीच काले-गोरे, या ऊँच-नीच का भेद ही मिटाना पर्याप्त नहीं समझते थे, वरन् उनके बीच एक मानवीय स्वाभाविक स्नेह और हार्दिक सहयोग का सम्बन्ध भी स्थापित करना चाहते थे । इसके बाद जब वे भारत आए, तब उन्होंने इस प्रयोग को एक बड़ा और व्यापक रूप दिया । विदेशी शासन के अन्याय-अनीति के विरोध में उन्होंने जितना बड़ा सामूहिक प्रतिरोध संगठित किया, उसकी मिसाल संसार के इतिहास में अन्यत्र नहीं मिलती । पर इसमें उन्होंने सबसे बड़ा ध्यान इस बात का रखा कि इस प्रतिरोध में कहीं भी कटुता, प्रतिशोध की भावना अथवा कोई भी ऐसी अनैतिक बात न हो जिसके लिए विश्व-मंच पर भारत का माथा नीचा हो । ऐसा गांधी जी ने इसलिए किया क्योंकि वे मानते थे कि बंधुत्व, मैत्री, सद्भावना, स्नेह-सौहार्द आदि गुण मानवता-रूपी टहनी के ऐसे पुष्प हैं जो सर्वदा सुगन्धित रहते हैं ।

(i) अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों के पीड़ित होने का कारण था

(क) निर्धनता-धनिकता पर आधारित भेदभाव

(ख) रंग-भेद और सामाजिक स्तर से सम्बन्धित भेदभाव

(ग) धार्मिक भिन्नता पर आश्रित भेदभाव

(घ) विदेशी होने से उत्पन्न मन-मुटाव

(ii) गांधी जी अफ्रीकावासियों और भारतीय प्रवासियों के मध्य स्थापित करना चाहते थे

(क) सहज प्रेम एवं सहयोग

(ख) पारिवारिक अपनत्व की भावना

(ग) अहिंसा एवं सत्य के प्रति लगाव

(घ) विश्वबन्धुत्व का सद्भाव

(iii) भारत में गांधी जी का विदेशी शासन का प्रतिरोध आधारित था

(क) संगठन की भावना पर

(ख) नैतिक मान्यताओं पर

(ग) राष्ट्रीयता के विचारों पर

(घ) शान्ति की सद्भावना पर

(iv) बंधुत्व, मैत्री आदि गुणों की पुष्पों के साथ तुलना आधारित है

(क) उनकी सुन्दरता पर

(ख) उनकी कोमलता पर

(ग) उनके अपनत्व पर

(घ) उनके कायिक प्रभाव पर

(v) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा

(क) अफ्रीका में गांधी जी

(ख) प्रवासी भारतीय और गांधी जी

(ग) गांधी जी की नैतिकता

(घ) गांधी जी और विदेशी शासन

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

शीश पर मंगल-कलश रख
भूलकर जन के सभी दुख
चाहते हो तो मना लो जन्म-दिन भूखे वतन का ।
जो उदासी है हृदय पर,
वह उभर आती समय पर,
पेट की रोटी जुड़ाओ,
रेशमी झंडा उड़ाओ,
ध्यान तो रक्खो मगर उस अधफटे नंगे बदन का ।

तन कहीं पर, मन कहीं पर,
धन कहीं, निर्धन कहीं पर,
फूल की ऐसी विदाई,
शूल को आती रुलाई
आँधियों के साथ जैसे हो रहा सौदा चमन का ।
आग ठंडी हो, गरम हो,
तोड़ देती है, मरम को,
क्रान्ति है आनी किसी दिन,
आदमी घड़ियाँ रहा गिन,
राख कर देता सभी कुछ अधजला दीपक भवन का
जन्म-दिन भूखे वतन का ।

(i) देश की स्वतंत्रता के मांगलिक उत्सव शोभाहीन होते हैं यदि

(क) देश की जनता दुखी और भूखी है

(ख) राष्ट्र का जनसमुदाय निर्धन है

(ग) मुल्क़ के अधिकांश लोग परेशान हैं

(घ) पूरे राज्य का भविष्य अंधकारमय है

(ii) देश के शासकों को कवि का संबोधन है

(क) भूखे को भोजन और नंगे को वस्त्र देने के लिए

(ख) लोगों की उदासी और कष्ट-निवारण के लिए

(ग) समय की गति और परिस्थितियों की विषमता समझने के लिए

(घ) राष्ट्रीय समस्याओं को सुलझाने के लिए

(iii) 'आँधियों के साथ जैसे हो रहा सौदा चमन का' कथन का आशय है

(क) आँधियों के झटकों को झेलना उपवन की विवशता हो गई है

(ख) देश की निरीह जनता कुशासन को सहने की अभ्यस्त हो गई है

(ग) देश की जनता दुखों और आपदाओं से समझौता कर रही है

(घ) देश का जनसमुदाय कठिनाइयों और कष्टों को सह रहा है

(iv) 'आग ठंडी हो, गरम हो' का प्रतीकार्थ है

(क) क्रान्ति शिथिल हो या उग्र

(ख) आक्रोश धीमा हो या तीव्र

(ग) क्रोध मन्द हो या घातक

(घ) हिंसा सीमित हो या असीमित

(v) 'अधजला दीपक भवन का' कथन का आशय है

(क) क्रोधी व्यक्ति

(ख) निर्धन मनुष्य

(ग) भूखा इन्सान

(घ) व्यथित प्राणी

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

बहती रहने दो मेरी धमनियों में
जन्मदात्री मिट्टी की गंध,
मानवीय संवेदनाओं की पावनी गंगा,
सदा-सदा को वांछित रह सकने वाले
पसीने की खारी यमुना ।
शपथ खाने दो मुझे
केवल उस मिट्टी की
जो मेरे प्राणों का आदि है,
मध्य है,
अन्त है ।

सिर झुकाओ मेरा
केवल उस स्वतंत्र वायु के सम्मुख
जो विश्व का गरल पीकर भी
बहता है
पवित्र करने को कण-कण ।
क्योंकि
मैं जी सकता हूँ
केवल उस मिट्टी के लिए,
केवल इस वायु के लिए ।
क्योंकि
मैं मात्र साँस लेती
खाल होना नहीं चाहता ।

(i) 'जन्मदात्री मिट्टी की गंध' पंक्ति में कवि की अभिव्यक्त इच्छा का स्वरूप है

(क) मातृभूमि के प्रति गहन अनुराग

(ख) वर्षा से भीगी मिट्टी की गंध

(ग) अन्न उपजाने वाली मिट्टी की महक

(घ) जन्म देने वाली माँ के प्यार की लालसा

(ii) 'मानवीय संवेदनाओं की पावनी गंगा' से कवि का आशय है

(क) देशवासियों के सुख-दुख की सहज अनुभूति

(ख) आपद्ग्रस्त देशवासियों के प्रति सहानुभूति

(ग) पीड़ित मानवता के उद्धार की अभिलाषा

(घ) मानवता के कल्याण हेतु गहन प्रेरणा

(iii) कवि शपथ लेना चाहता है देश की उस मिट्टी की जो उसके

(क) जीवन को बनाने वाली है

(ख) जीवन की सर्वस्व है

(ग) रग-रग में व्याप्त है

(घ) प्राणों का आधार है

(iv) 'मात्र साँस लेती खाल' का आशय है

(क) पुरुषार्थहीन जीवन

(ख) निष्प्राण जीवन

(ग) निरुद्देश्य जीवन

(घ) दिशाहीन जीवन

(v) 'पवित्र करने को कण-कण' में अलंकार है

(क) यमक

(ख) अनुप्रास

(ग) श्लेष

(घ) उपमा

खण्ड ख

5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए : *1×4=4*

(क) वह <u>भावुक</u> व्यक्ति है ।

(ख) द्वार पर <u>कोई</u> भिखारी खड़ा है ।

(ग) रमेश <u>यहाँ</u> रहता है ।

(घ) <u>वे</u> घर पहुँच चुके हैं ।

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(क) विदुषी कक्षा में बैठकर अपनी सहेली रेखा की प्रतीक्षा करने लगी ।
(संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) जैसे ही उसने औषधि ली, उसका रक्तचाप सामान्य हो गया । (वाक्य-भेद बताइए)

(ग) प्रतिस्पर्धा में प्रथम आने वाले छात्र को बुलाओ । (मिश्र वाक्य बनाइए)

(घ) वह गाड़ी चलाने के साथ-साथ मोबाइल पर बात भी करता है । (संयुक्त वाक्य बनाइए)

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(क) माँ रो भी नहीं सकती । (भाववाच्य में बदलिए)

(ख) मंत्री जी ने राहत-सामग्री बँटवाई । (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ग) उनके द्वारा कैप्टेन की देशभक्ति का सम्मान किया गया । (कर्तृवाच्य बनाइए)

(घ) चलिए, अब सोया जाय । (कर्तृवाच्य में बदलिए)

8. निम्नलिखित काव्यांशों में प्रयुक्त अलंकार बताइए : *1×4=4*

(क) जीवन में सुरंग सुधियाँ सुहावनी ।

(ख) थकी सोई है मेरी मौन व्यथा ।

(ग) माखन-सा मन ले गए कन्हैया ।

(घ) प्रीति-नदी में पाँव न बोर्‌यौ ।

9. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(क) नाव <u>धीरे-धीरे</u> बहने लगी । (रेखांकित पद का परिचय दीजिए)

(ख) शर्मिला नाश्ता करके नानी से मिलने चल दी । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) बीमारी के बाद दादी चल भी नहीं पाती । (भाववाच्य में बदलिए)

(घ) जेते तुम तारे तेते नभ में न तारे हैं । (प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए)

खण्ड ग

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

काशी आज भी संगीत के स्वर पर जगती और उसी की थापों पर सोती है । काशी में मरण भी मंगल माना गया है । काशी आनंद-कानन है । सबसे बड़ी बात है कि काशी के पास उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ जैसा लय और सुर की तमीज़ सिखाने वाला नायाब हीरा रहा है जो हमेशा से दो क़ौमों को एक होने व आपस में भाईचारे के साथ रहने की प्रेरणा देता रहा । भारतरत्न से लेकर इस देश के ढेरों विश्वविद्यालयों की मानद उपाधियों से अलंकृत व संगीत नाटक अकादमी-पुरस्कार एवं पद्मविभूषण जैसे सम्मानों से नहीं, बल्कि अपनी अजेय संगीत-यात्रा के लिए बिस्मिल्ला खाँ साहब भविष्य में हमेशा संगीत के नायक बने रहेंगे ।

(i) काशी की सबसे बड़ी विशेषता लेखक के अनुसार है

(क) संगीत के संस्कार

(ख) मरण को भी मंगल मानना

(ग) बिस्मिल्ला खाँ जैसा संगीतकार

(घ) आपसी भाईचारा

(ii) बिस्मिल्ला खाँ का जीवन प्रेरित करता है

(क) संगीत के प्रति अनुराग

(ख) जातियों में परस्पर बंधुत्व का भाव

(ग) लय और सुर की परख करना

(घ) काशी से अनुराग

(iii) बिस्मिल्ला खाँ को प्राप्त पुरस्कारों में सबसे विशेष है

(क) संगीत नाटक अकादमी-पुरस्कार

(ख) विश्वविद्यालय की मानद उपाधि

(ग) पद्मविभूषण

(घ) भारतरत्न

(iv) बिस्मिल्ला खाँ सदा याद किए जाएँगे

(क) काशी के प्रति प्रेम के लिए

(ख) सर्वश्रेष्ठ संगीतकार होने के कारण

(ग) अनेक उपाधियों से अलंकृत होने के कारण

(घ) भाईचारे की प्रेरणा देने के कारण

(v) 'सुर की तमीज़' से तात्पर्य है

(क) संगीत से लगाव

(ख) संगीत की समझ

(ग) संगीत की साधना

(घ) संगीत की प्रेरणा

अथवा

शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया । सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात तक की अनुमति नहीं देता था कि वे कम-से-कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ । नवाबी आदतें, अधूरी महत्त्वाकांक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कँपाती-थरथराती रहती थी । अपनों के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी वे जिन्होंने आँखें मूँदकर सबका विश्वास करने वाले पिता को बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया था कि जब-तब हम लोग भी उसकी चपेट में आते रहते ।

(i) पिता के व्यक्तित्व में सकारात्मक पहलू न रहने के पीछे कारण थे

(क) निरंतर पुस्तक-पुस्तिकाओं का अध्ययन

(ख) समाज-सुधार के कार्यों में रुचि

(ग) आर्थिक स्थिति और अहंकार

(घ) नवाबी आदतें और पत्नी के प्रति क्रोध

(ii) 'विस्फारित अहं' का अभिप्राय है

(क) बनावटी स्वाभिमान

(ख) बढ़ा हुआ ग़रूर

(ग) मिथ्याभिमान

(घ) मदान्धता

(iii) लेखिका की माँ के प्रति उसके पिता के क्रोध का कारण था

(क) बेहद क्रोधी और अहंवादी स्वभाव

(ख) अधूरी इच्छाएँ तथा प्रतिष्ठा गिरने का भय

(ग) पतनशील आर्थिक स्थिति से

(घ) पत्नी और संतान के बेमेल विचार

(iv) लेखिका के पिता का स्वभाव से शक्की बनने का कारण था

(क) उनकी आर्थिक दशा

(ख) सकारात्मक दृष्टि न होना

(ग) अपनों की कृतघ्नता

(घ) अधूरी महत्त्वाकांक्षाएँ

(v) 'यातना' का समानार्थक ***नहीं*** है

(क) वेदना

(ख) संवेदना

(ग) व्यथा

(घ) पीड़ा

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×5=10*

(क) पुराने समय में स्त्रियों द्वारा प्राकृत बोलना क्या उनके अपढ़ होने का सबूत है ? पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए ।

(ख) शहनाई की दुनिया में 'डुमराँव' को क्यों याद किया जाता है ? दो कारणों का उल्लेख कीजिए ।

(ग) 'संस्कृति' पाठ के आधार पर दो उदाहरणों का उल्लेख कीजिए जिनके आधार पर लेखक ने संस्कृति का स्वरूप समझाया है ।

(घ) काशी विश्वनाथ के प्रति बिस्मिल्ला खाँ की श्रद्धा का सोदाहरण उल्लेख कीजिए ।

(ङ) स्त्री-शिक्षा के विरोधियों के किन्हीं दो तर्कों का उल्लेख कीजिए ।

12. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×5=5*

लखन कहेउ मुनि सुजस तुम्हारा । तुम्हहि अछत को बरनै पारा ।।

अपने मुहु तुम्ह आपनि करनी । बार अनेक भाँति बहु बरनी ।।

नहि संतोषु त पुनि कछु कहहू । जनि रिस रोकि दुसह दुख सहहू ।।

बीरब्रती तुम्ह धीर अछोभा । गारी देत न पावत सोभा ।।

(क) लक्ष्मण परशुराम को ही उनका अपना यश बखानने में समर्थ क्यों मानते हैं ?

(ख) आपके विचार से लक्ष्मण का कौन-सा कथन सर्वाधिक व्यंग्यपूर्ण है ?

(ग) अपने मुँह अपना गुण-गान करने वाला समाज में क्या कहलाता है ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए – 'नहि संतोषु त पुनि कछु कहहू'

(ङ) लक्ष्मण ने परशुराम के किन गुणों की ओर संकेत किया है ?

अथवा

माँ ने कहा पानी में झाँककर

अपने चेहरे पर मत रीझना ।

आग रोटियाँ सेकने के लिए है

जलने के लिए नहीं

वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह

बंधन हैं स्त्री-जीवन के ।

(क) लड़की का अपने चेहरे पर रीझना हानिकर क्यों है ?

(ख) कविता में 'आग' के माध्यम से समाज की किस समस्या की ओर संकेत किया गया है ?

(ग) वस्त्र और आभूषण के प्रति नारी का आकर्षण स्वाभाविक क्यों होता है ?

(घ) माँ ने उन्हें बन्धन क्यों माना है ?

(ङ) माँ ने बेटी को यह सब सीख क्यों दी ?

13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×5=10*

(क) संगतकार जैसे व्यक्ति की जीवन में क्या उपयोगिता होती है ? स्पष्ट रूप में समझाइए ।

(ख) लड़की के विदाई के क्षण माँ के लिए ही विशेषतः अधिक दुखद क्यों होते हैं ? 'कन्यादान' कविता के आलोक में उत्तर दीजिए ।

(ग) 'छाया मत छूना' का कवि यथार्थ के पूजन की बात क्यों कहता है ? उसकी दृष्टि में यथार्थ का स्वरूप क्या है ?

(घ) 'छाया' से क्या तात्पर्य है ? कवि उसे छूने से मना क्यों करता है ?

(ङ) परशुराम के क्रोध का मूल कारण क्या था ? स्पष्ट कीजिए ।

14. देश के प्राकृतिक स्थानों के सौन्दर्य का आनन्द लेते समय अधिकांश सैलानी वहाँ के पर्यावरण को दूषित कर देते हैं । इस नैसर्गिक सौन्दर्य की सुरक्षा में आप अपने दायित्व का निर्वाह कैसे करेंगे ? 'साना साना हाथ जोड़ि', पाठ के आलोक में उत्तर दीजिए । *4*

15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** के उत्तर दीजिए : *2×3=6*

(क) टिमटिमाते तारों की छाया में गंतोक को देखकर 'साना साना हाथ जोड़ि' पाठ की लेखिका की अनुभूति को अपनी भाषा में प्रस्तुत कीजिए ।

(ख) "मन पर किसी का बस नहीं, वह रूप या उमर का क़ायल नहीं होता ।" 'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा !' पाठ के इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ग) विदेशी वस्त्रों को जलाए जाने वाले ढेर में दुलारी द्वारा नई साड़ियों का फेंका जाना उसकी किस मानसिकता का परिचायक है ? स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया ?

खण्ड घ

16. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) मित्र कैसा हो ?

- जीवन में आवश्यकता
- मित्र की विशेषताएँ
- कैसे चुनें

(ख) जब मैंने डूबते को बचाया

- कब
- किसको
- कैसे

(ग) मोबाइल फ़ोन का दुरुपयोग

- महत्त्व
- दुरुपयोग कैसे
- रोकने के उपाय

17. उत्तराखण्ड आपदा में स्वयं भोगी कठिनाइयों का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए । 5

अथवा

अपने क्षेत्र के विधायक को पत्र लिखकर अपने गाँव में एक बालिका-विद्यालय की स्थापना के लिए अनुरोध कीजिए ।